



P - 3

हाईस्कूल में तनिश, इंटर में निधि ने किया नोएडा



P - 4

झांसी : आठ लाख से अधिक की लूट को अंजाम देने वाले युवा, पुलिस के



P - 5

कानाडा और चीन के बीच अब किस बात को लेकर बढ़ गई टेंशन



P - 6

कमज़ोर गेंदबाजी के दम पर केकेआर से आज टक्कर लेगी आरसीबी



## हैप्पी मॉर्निंग

लड़की देखने हरीश सरियार पहुंचा उनके सामने लड़की के गुणों की प्रशंसा की जा रही थी। लड़की वालों ने कहा, यारों की आवाज को लौटा दिया है, उसकी गद्दन ने गोली के जैसी है, चाल हिण्ठा जैसी और स्वभाव में से तो याहाँ है। हरीश ने कहा, जी, क्या इसमें कोई इंसानी गुण भी है?



## शायरी

कर जखे को बुद्ध जवान, तेरे पीछे खड़ी आवाम ! हर पक्के को मार गिरायेंगे...!!

## अर्थसार

सेंसेक्स: 73,088.33 +599.34 (0.83%)  
निफ्टी: 22,147.00 +151.15  
मौसम

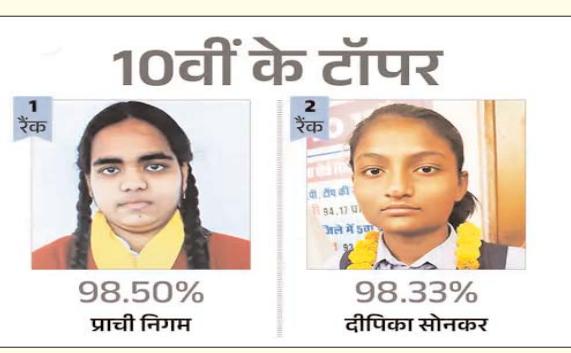
अधिकतम : 37 डिग्री से 0 न्यूटन : 23 डिग्री से सूखदाय सोनबाज़ : 5 : 57 मूर्यास्त रविवार : 7 : 02

## यूपी बोर्ड की परीक्षा में सीतापुर के परीक्षार्थियों का दबदबा

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शनिवार को दसवीं और 12वीं के रिजल्ट घोषित कर दिए।

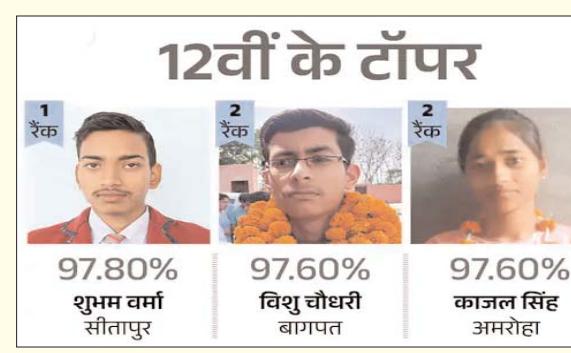
हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए तो वहाँ इंटर्मीडिएट में 82.60 प्रतिशत परीक्षार्थी जीर्ण हुए। इस बार हाईस्कूल और इंटर्मीडिएट दोनों परीक्षार्थियों ने प्रदेश में टॉप किया है।

हाईस्कूल में सीतापुर की प्राचीन निगम ने 98.50 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में टॉप किया है, जबकि फेलेपुर की दीपिका सोनकर (98.33 प्रतिशत) दूसरे और सीतापुर की ही नव्या सिंह (98



प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहीं। वहाँ इंटर्मीडिएट में सीतापुर के शुभम वर्मा ने 97.80 प्रतिशत के साथ पहला स्थान हासिल किया है, जबकि बागपत के विशु चौधरी (97.60

प्रतिशत) दूसरे और अमरोहा की काजल सिंह (97.60



प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहीं। वहाँ इंटर्मीडिएट में सीतापुर के शुभम वर्मा ने 97.80 प्रतिशत के साथ पहला स्थान हासिल किया है, जबकि बागपत के विशु चौधरी (97.60

प्रतिशत) दूसरे और अमरोहा की उत्तीर्ण प्रतिशत 88.42 है। सम्पूर्ण परीक्षार्थियों में बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत बालकों के उत्तीर्ण प्रतिशत से 10.64 अधिक है।

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डा० महेन्द्र देव और माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव इन्टर्मीडिएट की प्रतिशत 22 फरवरी, 2024 से 09 मार्च, 2024 के मध्य कुल 8,265 परीक्षार्थी ने प्रदेश के बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत हुई थी। वहाँ, हाईस्कूल एवं इंटर्मीडिएट की तिथिक उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 16 मार्च, 2024 से 30 मार्च, 2024 के मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों में प्रदेश कराई है और साथ ही रिकार्ड 12 कार्य दिवसों में ही उत्तर पुस्तिकाओं का

मूल्यांकन कार्य सकूल पूरा कराकर बोर्ड परीक्षा का परिणाम 100 वर्षों के इतिहास में बाद दूसरी बार सबसे पहले जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटर्मीडिएट की परीक्षाएं 22 फरवरी, 2024 से 09 मार्च, 2024 के मध्य कुल 8,265 परीक्षार्थी ने प्रदेश के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद ने नए पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 16 मार्च, 2024 से 30 मार्च, 2024 के मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों में प्रदेश कराई है और साथ ही रिकार्ड 12 कार्य दिवसों में ही उत्तर पुस्तिकाओं का

## डीडी न्यूज के लोगो का गर्मी बढ़ी : 12 राज्यों में हीटवेव रंगलाल से नारंगी हुआ

टीएमसी ने कहा- दूरदर्शन का भगवाकरण हुआ, ये प्रसार भारती नहीं, प्रचार भारती है



हो जाएं जो पहले कभी नहीं देखो गई। विकल्प नए ढीड़ी न्यूज का अनुभव करें। ढीड़ी न्यूज - भरोसा सच का। बहालोंका हमारे मूल्य वही है। 16 अप्रैल को दूरदर्शन ने सोशल मीडिया द्वारा नया न्यूज का अनुभव करें। ढीड़ी न्यूज - भरोसा सच का। बहालोंका हमारे मूल्य वही है। 16 अप्रैल को दूरदर्शन ने एस्प्रेस के बातचीत में कहा- लोगों का रंग नारंगी है न कि भगवान। सिर्फ लोगों में ही बदलाव नहीं हुआ है, बल्कि हमने ढीड़ी के पूरे लुक और फील को अपेक्षा किया गया है। दूर्भाग्यपूर्ण है कि लोग इस बारे में अर्नगल इत्यन्धि कर रहे हैं।

लोगों का रंग बदलना सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने का सरकार का प्रयास है। ऐसे कदम देश के पब्लिक ब्रॉडकास्टर की विश्वसनीयता को कमज़ोर करते हैं।

प्रसार भारती के वर्तमान सोनीइंडिया द्विवेदी ने दूर्दृष्टि एस्प्रेस से बातचीत में कहा- लोगों का रंग नारंगी है न कि भगवान। सिर्फ लोगों में ही बदलाव नहीं हुआ है, बल्कि हमने ढीड़ी के पूरे लुक और फील को अपेक्षा किया गया है। दूर्भाग्यपूर्ण है कि लोग इस बारे में अर्नगल इत्यन्धि कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 50 किलोमीटर प्रतिधंधे की प्रस्तरार से हवाएं चलेंगी। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड और ओडिशा में हीटवेव करायेंगी। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी में जेज गर्मी का पड़ेंगी। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश होगी।

छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक समिल हैं।

21 अप्रैल : मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने का अनुमान

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तरखण्ड, पंजाब, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, झारखण्ड, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, असम में धूलभरी आंधी का अनुमान है। अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश का अनुमान है।

पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड और ओडिशा में हीटवेव चलेंगी। केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी में तेज गर्मी का पड़ेंगी।

23 अप्रैल : मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में धूलभरी आंधी, बिहार में हीटवेव

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखण्ड, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और धूलभरी आंधी का अनुमान है।

22 अप्रैल : पश्चिम बंगाल-ओडिशा में हीटवेव का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, असम में धूलभरी आंधी का अनुमान है। अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश का अनुमान है।

## भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे हैं मोदी : राहुल गांधी

जमकर डांस हुआ। हम लोग सुब 3:30 बजे घर के लिए निकले थे। द्वारिकापुरी कट के पास इंटर्टेन्ट का लाइट बंद हो गया। इन्हें दूसरा दूसरा दूसरा लाइट लगाया गया।

11 गंभीर घायलों को सैफ़ेट में बालिकों को अप्यताल की बीच भेजा गया। तभी पोलो के लाइट बंद हो गया। तभी पोलो से आ रहे ट्रक ने जिला बालिकों को अप्यताल से बाहर भेजा गया।

रात भर डीजे पर डांस हुआ...सुबह हो गया हादसा

घायलों ने बताया कि बेलधारा गंभीर घायलों के बालिकों को अप्यताल संस्कार कार्यक्रम गए थे। मालिंग गंभीर घायलों के बालिकों को अप्यताल से बाहर भेजा गया।

महिलाओं ने मंगल गंभीर घायलों

## बारिश से फसलों को हो रहा नुकसान

बारिश फसल के लिए आवश्यक होती है, लेकिन अत्यधिक बारिश या गर्त समय पर हुई बारिश से फसल को नुकसान हो सकता है। ऐसे में किसानों को भारी अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस लेख में, हम बारिश से फसल पर होने वाले नुकसान और इसके परिणामों के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

### बारिश से फसल को नुकसान

जल जमाव : अत्यधिक बारिश के कारण खेतों में जल जमाव हो सकता है, जिससे फसल की जड़ें डूब सकती हैं। यह फसल की गुणवत्ता और उपज दोनों को प्रभावित कर सकता है।

मूर्छा उत्पादन : भारी बारिश के कारण मिट्ठी का अपरदन हो सकता है, जिससे पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। यह फसल की वृद्धि को प्रभावित करता है और उपज में कमी आती है।

फसल का बर्बाद होना : अत्यधिक बारिश के कारण फसल पानी में बह सकती है या सड़ सकती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

बाजार मूल्य में गिरावट : बारिश से खाता हुई फसल की गुणवत्ता कम हो जाती है, तभी उसको खाता हो सकती है। इससे किसानों को अधिक नुकसान होता है। जिससे फसल को अपरदन हो सकता है, जिससे जीवन घर अनिवार्य संघर्षों को झेला, कट्टों को सहा, दुख में सुख खो जा और गहन तप पूर्व सामान के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गए। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक, धर्मीय, सुख-सुखाताओं से प्रभावित कर सकती है।

बरोजगारी : किसानों की आय में कमी आने से ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी बढ़ सकती है। कृषि अधिकवर्था पर भ्राता : बारिश से फसल के नुकसान का असर अधिकवर्था पर पी पड़ता है, जिससे समाप्त अधिकवर्था पर असर हो सकता है।

### बारिश से फसल को नुकसान से बचाव के उपाय

सिर्चाई प्रणाली में सुधार : जल निकासी प्रणाली को सुधारकर जल जमाव की समस्या को रोका जा सकता है।

फसल का विविधीकरण : विभिन्न प्रकार की फसलें उत्पादन अपने जीवित कर सकते हैं।

फसल बीमा : किसानों को फसल बीमा करवाना चाहिए ताकि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। फसल सुरक्षा उपाय : फूले संक्रमण से बचने के लिए फसल सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए। अधुनिक कृषि तकनीकों का प्रयोग : उत्तर कृषि तकनीकों का प्रयोग करके किसानों को मौसम के बदलावों से बेहतर तरीके से निपटना चाहिए।

बारिश से फसल को होने वाले नुकसान और इसके परिणाम गंभीर हैं, लेकिन उत्तरी उपायों से इनसे बचा जा सकता है। किसानों को जागरूकता, सिद्धा, और सरकारी सहायता की आवश्यकता है ताकि वे प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकें और अपनी फसल की गुणवत्ता और उपज को बनाए रख सकें।

भगवान महावीर की जन्म जयन्ती - 21 अप्रैल, 2024

## भगवान महावीर हैं सार्वभौम धर्म के प्रणेता



- ललित गर्ग -

सदियों पहले महावीर जन्मे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनिवार्य संघर्षों को झेला, कट्टों को सहा, दुख में सुख खो जा और गहन तप पूर्व सामान के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गए। उन्होंने समझ दी कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह हीगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वाधी के लिए दुःख न दें।

'आत्मा: प्रतिकूलात्मा-परायाम न समाचरे' इस भवन के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अंतर्का

भगवान महावीर की मूल शिक्षा है - 'अहिंसा'। सबसे पहले 'अहिंसा परमो धर्म' का प्रयोग हुन्दुओं का ही नहीं बरिक समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ 'महाभारत' के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी जाति से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई है कि अहिंसा का साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा

का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह हीगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वाधी के लिए दुःख न दें।

'आत्मा: प्रतिकूलात्मा-परायाम न समाचरे' इस भवन के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अंतर्का



इस बाच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमाने ने पकड़ भवताला। उन्होंने जो कहा, सत्य को उपलब्ध कर करा। उन्होंने सबके अस्तित्व को स्वीकृति दी। 'गो हीणो णो अदिरिते'-उनकी नजर में न कोई ऊंचा चारा था, न कोई नीचा। उनका को मूल्य नहीं दिया, बल्कि स्वर कर सूरक्षा में आत्म-युद्ध को जरूरी किया जाना रखकर किसी प्राणी को अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हल्ता न तो करें और न ही करवाएं और हल्ता से उत्तम वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक चंद्र जीवन में विवरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एवं पौधे के पास से गुरु रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा खेलिये, क्या सोचते हैं ? हाँ, आपें फूल लगेंगे या नहीं ? एवं निर्वाचन के लिए उत्तम वस्तुओं के प्रति व्यवहारिक जीवन में विशेषता है। इसीलिये उनकी अहिंसा का अवधारणा और जीवन के लिए उत्तम वस्तुओं का कर्तव्य है। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उड़ाकू या नहीं ? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यक्ति है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीवन भरता है, इसमें जीवन की ऊंचाई है, और जीजीविषा है। तुम इसे दुखारा उड़ाकू फेंके सकते हों या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन यह अधिक जगत में धारण नहीं-यह तुम पर निर्भर है। हम केवल कर्मकाण्ड और पूजा विधि में ही लगे रहते हैं। महावीर को यह सदेश जन-जन के लिये सोच देता है। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जैसे ही दोनों उसी रसते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उड़ाकू था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है।

महावीर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत प्रेशन हुआ। गोशालक की जड़ों को जरूरी किया जाना रखता है। उन्होंने पकड़ के हिम्मत न पढ़ी। महावीर हसते हुए जीतता है। उन्होंने अपने होने वाली अहिंसा का अवधारणा और हल्ता के लिए उत्तम वस्तुओं का कर्तव्य है। इसीलिये उनकी अहिंसा का अवधारणा और जीवन के लिए उत्तम वस्तुओं का कर्तव्य है। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उड़ाकू था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है।

भगवान महावीर का जन्म दिवस एक दरतक है। उन्होंने बाहरी लाड़ू

सुख या दुःख एक का ही अनुभव करे, यह दुःख बाबर चलता रहे। तब व्यक्ति के मन में एक जिजाग पैदा होती है कि ऐसा कोई उपाय है जिससे सुख को स्थायी बनाया जा सके? इसका समाधान है स्वयं का स्वयं से साक्षात्कार। इसके लिये जीर्णी है हर क्षण के जागरूकता से जीना। उनको जीने के लिये भगवान महावीर ने कहा था- 'खण्ड जाणाहि प॑ंडि-२', जो क्षण को जानता है, वह सुख और दुःख के निमित्त को जानता है।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाप्त है। हर व्यक्ति महावीर ने जो उपरका दिव्य उत्तम वस्तु और आचरण में उत्तम है। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाइ जा सकती है। महावीर वही व्यवहार दूसरों के प्रति भी लक्ष्य के प्रति पूरी सम्पूर्णता हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समाप्त होती है वे उत्तम स्वयं से साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो।

जो पूर्वार्थ के द्वारा न केवल अपना भाव बदलना की जानता हो, व्यापक समाज के प्रति भी अपनी धर्म-युद्ध को जीवन में आनंद ले सकता है। व्यापक समाज के प्रति भी अपनी धर्म-युद्ध को जीवन में आनंद ले सकता है। व्यापक समाज के प्रति भी अपनी धर्म-युद्ध को जीवन में आनंद ले सकता है। व्यापक समाज के प्रति भी अपनी धर्म-युद्ध को जीवन में आनंद ले सकता है। व्यापक समाज के प्रति भी अपनी धर्म-युद्ध को जीवन में आनंद ले सकता है।

वे चिन्मय दीपक हैं, जो मानव रूपी अंधकार को हराता है। वे सचमुच प्रकाशक के जैवस्त्री पुंज और आत्मविद्या के द्वारा बदलता है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो मानवता की जीवनता की अवधारणा के द्वारा बदलता है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो मानवता की जीवनता की अवधारणा के द्वारा बदलता है।

## टाईम पास

### काकुरो पहेली - 3158

हंसी के ३ फूल्वारें  
तुम्हरे घर में किसका श













50+  
AGENTS

# BUYING OR SELLING A PROPERTY?

## LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.



### CONTACT:

✉️ INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM  
📱 +91 9871577057  
❤️ @PROPRELUXURYREALESTATE.COM